नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक 19.12.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ और रोशन सिंह बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मध्यकालीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज ही के दिन 19 दिसम्बर, 1927 को तीनों महान स्वतंत्रता सेनानी को फाँसी दी गयी थी। भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए राम प्रसाद बिस्मिल, असफाक उल्ला खाँ एवं रोशन सिंह ने अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया था। चन्द्रशेखर आजाद, राजेन्द्र लाहिड़ी सहित इन क्रान्तिकारियों ने लखनऊ से कुछ दूरी पर स्थित काकोरी और आलमनगर के बीच ट्रेन में ले जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। इसी घटना को इतिहास में काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है। इस घटना ने देश भर के लोगों का ध्यान खींचा। खजाना लूटने के बाद चन्द्रशेखर आजाद पुलिस के चंगुल से बच निकले लेकिन राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेन्द्र लाहिड़ी और रोशन सिंह को फाँसी की सजा सुनाई गयी। बाकी क्रान्तिकारियों को कैद एवं कुछ को कालेपानी की सजा दी गयी। जन आक्रोश दमन करने के लिए तीनों क्रान्तिकारियों की तीन अलग–अलग जेल में फाँसी की सजा सुनाई गयी।

पं0 राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर सेन्ट्रल जेल में, असफाक उल्ला खान को फैजाबाद सेन्ट्रल जेल में तथा रोशन सिंह को इलाहाबाद के नैनी जेल में एक ही दिन फाँसी दी गयी। डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि काकोरी काण्ड में गिरफ्तार होने के पश्चात अदालत में सुनवाई के दौरान बिस्मिल ने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है देखना है जोर कितना बाजुए कातिल में है'' की कुछ पंक्तियाँ कही थीं।

कार्यक्रम में डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, डॉ0 शिव कुमार बर्नवाल, डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 आर0एन0सिंह, डॉ0 हनुमान प्रसाद उपाध्याय, डॉ0 अनुपमा श्रीवास्तव डॉ0 आरती सिंह, डॉ0 शिप्रा सिंह, डॉ0 प्रज्ञेश मिश्र, डॉ0 वेंकट रमण, डॉ0 सुबोध मिश्र सहित शिक्षक विद्यार्थी एंव कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ0 राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी